C.B.S.E Board
कक्षा : 10
हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2x4) (1×1) = [9]

संसार में सबसे बड़ी चीज आनन्द माना गया है। दुनिया में सब जगह जितनी भाग-दौड़ दिखलाई पड़ती है और जितने भी प्रयत्न किए जाते हैं उन सबका अन्तिम उद्देश्य आनन्द की प्राप्ति ही होता है पर अधिकांश लोग यह नहीं समझते कि आनन्द भौतिक पदार्थो से कदापि नहीं मिल सकता। वह तो आत्मा का गुण है और इसलिए उसकी प्राप्ति आध्यात्मिक प्रयत्नों द्वारा ही संभव है।

यदि मनुष्य वास्तव में आत्मिक सुख को खरीदना चाहे तो उसे इसके बदले में उसी के समकक्ष चीज देनी होगी। यदि वास्तव में हम संयम, सहिष्णुता, धैर्य, सहानुभूति और प्रेम को अपने हृदय में उत्पन्न करना चाहें तो हमें इनके बदले में अपनी मनोवृत्तियों की उच्छृंखलता, स्वार्थ, लम्पटता और मानसिक चपलता से विदा लेनी होगी। लोभी मनुष्य का द्रव्य से चाहे कितना ही प्रेम क्यों न हो यदि वह अपने शारीरिक आराम को चाहता है, तो उसे अपना द्रव्य अवश्य खर्च करना पड़ेगा। इसी भाँति स्वार्थ का त्याग करने में हमें कितना ही कष्ट क्यों न हो, बिना उससे छुटकारा पाये हम आत्मिक उन्नति प्राप्त नहीं कर सकते। धन का सच्चा उपयोग यही है कि उसके

द्वारा मनुष्य जाति को अपनी सुख-सुविधा जुटाने में सुविधा हो। वह कृपण, जो लक्ष-लक्ष मुद्राओं के रहते भी द्रव्य-प्रेम के कारण आवश्यक सामग्रियों को नहीं जुटाता, निस्संदेह दया का पात्र है। इसी भाँति चैतन्य जगत में जो व्यक्ति अपनी मानसिक वृत्तियों के बदले में सच्चे सुख और शान्ति को प्राप्त करने में हिचकिचाता है वह मूढ़ बुद्धि है। प्रकृति ने मनुष्य के हृदय में क्रोध की सृष्टि इसीलिए की है कि उस पर विजय प्राप्त करके क्षमा कर दी जाय। स्वार्थ के वशीभूत होकर मनुष्य दूसरों की सुख-सामग्री को छीन-छीन कर अपने सुख के लिए एकत्र करता है। दूसरों की उसे जरा भी चिन्ता नहीं रहती। अतएव वह कृपण मनुष्य के सदृश्य अपना द्रव्य अपने ही पास रखना चाहता है परन्तु धर्म का, सिद्धान्त इसके विपरीत है। धर्म चाहता है कि मनुष्य अपने सुख का उपभोग स्वत: भी करे और दूसरे मनुष्यों को सुख देने के लिए भी तत्पर रहे।

1. संसार कि सबसे से बड़ी चीज क्या और क्यों हैं?
2. अधिकांश लोग क्या नहीं समझते हैं?
3. धन का उपयोग क्या है?
4. मनुष्य के हृदय में क्रोध कि सृष्टि क्यों हुई है?
5. मूढ़ बुद्धि कौन है?

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :2x3=[6]

माटी, तुझे प्रणाम!
मेरे पुण्य देश की माटी, तू कितनी अभिराम!
तुझे लगा माथे से सारे कष्ट हो गए दूर,
क्षण-भर में ही भूल गया मैं शत्रु-यंत्रणा क्रूर,
सुख स्फूर्ति का इस काया में हुआ पुनः संचार -
लगता जैसे आज युगों के बाद मिला विश्राम!
माटी तुझे प्रणाम!
तुझसे बिछुड़ मिला प्राणों को कभी न पल-भर चैन,
तेरे दर्शन हेतु रात-दिन तरस रहे थे नैन,
धनी हुआ तेरे चरणों में आकर यह अस्तित्व-

हुई साधना सफल, भक्त को प्राप्त हो गए राम!
माटी, तुझे प्रणाम!
अमर मृत्तिके! लगती तू पारस से बढ़ कार आज,
कारा-जड़ जीवन सचेत फिर, तुझ को छू कर आज,
मरणशील हम, किन्तु अमर तू, है अमर्त्य यह धाम-
हम मर-मर कर अमर करेंगे तेरा उज्ज्वल नाम!

1. कवि किसे प्रणाम कर रहा है?
2. मातृभूमि को प्रणाम करने के बाद कैसी अनुभूति होती है?
3. माटी से बिछुड़ने तथा मिलने पर कवि को कैसा अनुभव हुआ?

खण्ड ख

प्र. 3. संयुक्त वाक्य किसे कहते हैं? [2]

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=[3]

(क) तुम्हारे बारे में सभी बच्चे जानते हैं और बड़े भी। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ख) सभी लिख चुके हैं लेकिन सृजिता अभी तक लिख रही है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग) आयुष ने केक काटा और सबको बाँट दिया। (सरल वाक्य में बदलिए)

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=[2]

गंगा-यमुना, अनुरूप

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :1+1=[2]

अनंत, अठन्नी

प्र. 6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1x4=[4]

1. काम हो जाने पर उसने संतोष का साँस लिया।
2. तुम्हारा प्रतीक्षा करके हम बहुत थक गया।

3. वे चित्रों की रंग अच्छी थी।

4. उसने यह देश के लिए उसका जान दिया।

प्र. 7. निम्नलिखित सरल कथनों के लिए उपयुक्त मुहावरे लिखिए : [2]

1. हल्दी घाटी के युद्ध में अनेक सैनिक मारे गए।

2. विद्यालय में तरण-ताल बनवाने की योजना अभी तक यों ही पड़ी है?

खण्ड ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=[5]

क) बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है?

ख) कलकत्ता वासियों के लिए 26 जनवरी 1931 का दिन क्यों महत्वपूर्ण था?

ग) लेखक की माँ किस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थीं और क्यों?

प्र. 8 ब 'मट्टी से मट्टी मिले, खो के सभी निशान, किसमें कितना कौन है कैसे हो पहचान' - इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए। [5]

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=[5]

क) मीरा वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार हैं?

ख) मनुष्य मात्र बंधु है से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

ग) कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर किससे और क्या प्रार्थना कर रहा है?

प्र. 9 ब निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-उड़ा दिए थे मैंने। अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे। [5]

प्र. 10. दस अक्तूबर सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्त्व रखता है? [5]

खण्ड घ

प्र. 11. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : [5]

- 'वृक्ष लगाओ देश बचाओ'
- 'किसान'
- 'नशाखोरी और देश का युवा'

प्र.12. छोटे भाई को परीक्षा में सफलता पाने पर बधाई पत्र लिखिए : [5]
फुले छात्रावास

प्र. 13. आपके विद्यालय में आयोजित योग शिविर के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए एक सूचना पत्र लिखें। [5]

प्र. 14. ऑफिस में क्लर्क की नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य संवाद लिखें। [5]

प्र. 15. मोबाइल के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : [5]

C.B.S.E Board
कक्षा : 10
हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2x4) (1×1) = [9]

संसार में सबसे बड़ी चीज आनन्द माना गया है। दुनिया में सब जगह जितनी भाग-दौड़ दिखलाई पड़ती है और जितने भी प्रयत्न किए जाते हैं उन सबका अन्तिम उद्देश्य आनन्द की प्राप्ति ही होता है पर अधिकांश लोग यह नहीं समझते कि आनन्द भौतिक पदार्थो से कदापि नहीं मिल सकता। वह तो आत्मा का गुण है और इसलिए उसकी प्राप्ति आध्यात्मिक प्रयत्नों द्‌वारा ही संभव है।

यदि मनुष्य वास्तव में आत्मिक सुख को खरीदना चाहे तो उसे इसके बदले में उसी के समकक्ष चीज देनी होगी। यदि वास्तव में हम संयम, सहिष्णुता, धैर्य, सहानुभूति और प्रेम को अपने हृदय में उत्पन्न करना चाहें तो हमें इनके बदले में अपनी मनोवृत्तियों की उच्छृंखलता, स्वार्थ, लम्पटता और मानसिक चपलता से विदा लेनी होगी। लोभी मनुष्य का द्रव्य से चाहे कितना ही प्रेम क्यों न हो यदि वह अपने शारीरिक आराम को चाहता है, तो उसे अपना द्रव्य अवश्य खर्च करना पड़ेगा। इसी भाँति स्वार्थ का त्याग करने में हमें कितना ही कष्ट क्यों न हो, बिना उससे छुटकारा पाये हम आत्मिक उन्नति प्राप्त नहीं कर सकते। धन का सच्चा उपयोग यही है कि उसके

द्वारा मनुष्य जाति को अपनी सुख-सुविधा जुटाने में सुविधा हो। वह कृपण, जो लक्ष-लक्ष मुद्राओं के रहते भी द्रव्य-प्रेम के कारण आवश्यक सामग्रियों को नहीं जुटाता, निस्संदेह दया का पात्र है। इसी भाँति चैतन्य जगत में जो व्यक्ति अपनी मानसिक वृत्तियों के बदले में सच्चे सुख और शान्ति को प्राप्त करने में हिचकिचाता है वह मूढ़ बुद्धि है। प्रकृति ने मनुष्य के हृदय में क्रोध की सृष्टि इसीलिए की है कि उस पर विजय प्राप्त करके क्षमा कर दी जाय। स्वार्थ के वशीभूत होकर मनुष्य दूसरों की सुख-सामग्री को छीन-छीन कर अपने सुख के लिए एकत्र करता है। दूसरों की उसे जरा भी चिन्ता नहीं रहती। अतएव वह कृपण मनुष्य के सदृश्य अपना द्रव्य अपने ही पास रखना चाहता है परन्तु धर्म का, सिद्धान्त इसके विपरीत है। धर्म चाहता है कि मनुष्य अपने सुख का उपभोग स्वत: भी करे और दूसरे मनुष्यों को सुख देने के लिए भी तत्पर रहे।

1. संसार कि सबसे से बड़ी चीज क्या और क्यों हैं?

   उत्तर : संसार में सबसे बड़ी चीज आनन्द माना गया है। दुनिया में सब जगह जितनी भाग-दौड़ दिखलाई पड़ती है और जितने भी प्रयत्न किए जाते हैं उन सबका अन्तिम उद्देश्य आनन्द की प्राप्ति ही होता है।

2. अधिकांश लोग क्या नहीं समझते हैं?

   उत्तर : अधिकांश लोग यह नहीं समझते कि आनन्द भौतिक पदार्थो से कदापि नहीं मिल सकता। वह तो आत्मा का गुण है और इसलिए उसकी प्राप्ति आध्यात्मिक प्रयत्नों द्वारा ही संभव है।

3. धन का उपयोग क्या है?

   उत्तर : धन का सच्चा उपयोग यही है कि उसके द्वारा मनुष्य जाति को अपनी सुख-सुविधा जुटाने में सुविधा हो।

4. मनुष्य के हृदय में क्रोध कि सृष्टि क्यों हुई है?

उत्तर : प्रकृति ने मनुष्य के हृदय में क्रोध की सृष्टि इसीलिए की है कि उस पर विजय प्राप्त करके क्षमा कर दी जाय।

5. मूढ़ बुद्धि कौन है?

उत्तर : चैतन्य जगत में जो व्यक्ति अपनी मानसिक वृत्तियों के बदले में सच्चे सुख और शान्ति को प्राप्त करने में हिचकिचाता है वह मूढ़ बुद्धि है।

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :2x3=[6]

माटी, तुझे प्रणाम!
मेरे पुण्य देश की माटी, तू कितनी अभिराम!
तुझे लगा माथे से सारे कष्ट हो गए दूर,
क्षण-भर में ही भूल गया मैं शत्रु-यंत्रणा क्रूर,
सुख स्फूर्ति का इस काया में हुआ पुनः संचार -
लगता जैसे आज युगों के बाद मिला विश्राम!
माटी तुझे प्रणाम!
तुझसे बिछुड़ मिला प्राणों को कभी न पल-भर चैन,
तेरे दर्शन हेतु रात-दिन तरस रहे थे नैन,
धनी हुआ तेरे चरणों में आकर यह अस्तित्व-
हुई साधना सफल, भक्त को प्राप्त हो गए राम!
माटी, तुझे प्रणाम!
अमर मृत्तिके! लगती तू पारस से बढ़ कार आज,
कारा-जड़ जीवन सचेत फिर, तुझ को छू कर आज,
मरणशील हम, किन्तु अमर तू, है अमर्त्य यह धाम-
हम मर-मर कर अमर करेंगे तेरा उज्ज्वल नाम!

1. कवि किसे प्रणाम कर रहा है?

उत्तर : कवि अपनी जन्मभूमि की मिट्टी को प्रणाम कर रहा है।

2. मातृभूमि को प्रणाम करने के बाद कैसी अनुभूति होती है?

उत्तर : मिट्टी को छूते ही कवि के सारे कष्ट और यंत्रणाएं दूर हो गई, शरीर में स्फूर्ति का संचार हो गया कवि को मिट्टी को छूते ही ऐसा लगा जैसे युगों बाद उसे ऐसा विश्राम मिला हो।

3. माटी से बिछुड़ने तथा मिलने पर कवि को कैसा अनुभव हुआ?

उत्तर : माटी से बिछुड़कर कवि को कभी भी चैन न मिला वह दिनरात माटी के लिए तरसता रहा जैसे एक भक्त अपने ईश्वर को पाने के लिए तडपता है ठीक उसी प्रकार कवि अपनी माटी के लिए तड़पता था

खण्ड ख

प्र. 3. संयुक्त वाक्य किसे कहते हैं? [2]

उत्तर : जिस वाक्य में सरल अथवा मिश्र वाक्यों का मेल संयोजक अव्ययों द्वारा होता है, उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं। अन्य शब्दों में संयुक्त वाक्य उस वाक्य-समूह को कहते हैं, जिसमें दो या दो से अधिक सरल वाक्य अथवा मिश्र वाक्य अव्ययों द्वारा जुड़े हों। जैसे - राकेश सो गया है और दिनेश अभी तक नहीं सोया।

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=[3]

(क) तुम्हारे बारे में सभी बच्चे जानते हैं और बड़े भी। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

उत्तर : संयुक्त वाक्य

(ख) सभी लिख चुके हैं लेकिन सृजिता अभी तक लिख रही है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर : सृजिता लिख रही है जबकि सभी लिख चुके हैं।

(ग) आयुष ने केक काटा और सबको बाँट दिया। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर : आयुष ने केक काट कर सबको बाँट दिया।

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=[2]

गंगा-यमुना, अनुरूप

उत्तर : गंगा-यमुना - गंगा और यमुना - द्वंद्व समास

अनुरुप - अनु-रुप के योग्य - अव्ययीभावसमास

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :1+1=[2]

अनंत, अठन्नी

उत्तर : अनंत - न अंत - तत्पुरुष समास

दोपहर - दो पहरों का समाहार - द्विगु समास

प्र. 6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1x4=[4]

1. काम हो जाने पर उसने संतोष का साँस लिया।

उत्तर : काम हो जाने पर उसने संतोष की साँस ली।

2. तुम्हारा प्रतीक्षा करके हम बहुत थक गया।

उत्तर : तुम्हारी प्रतीक्षा करके मैं बहुत थक गया।

3. वे चित्रों की रंग अच्छी थी।

उत्तर : उन चित्रों के रंग अच्छे थे।

4. उसने यह देश के लिए उसका जान दिया।

उत्तर : उसने इस देश के लिए अपनी जान दी।

प्र. 7. निम्नलिखित सरल कथनों के लिए उपयुक्त मुहावरे लिखिए : [2]

1. हल्दी घाटी के युद्ध में <u>अनेक सैनिक मारे गए।</u>

उत्तर : हल्दी घाटी के युद्ध में अनेक सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए।

2. विद्यालय में तरण-ताल बनवाने की योजना <u>अभी तक यों ही पड़ी है</u>?

उत्तर : विद्यालय में तरण-ताल बनवाने की योजना अभी तक अधर में ही पड़ी है।

खण्ड ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=[5]

क) बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है?

उत्तर : बड़े भाई के अनुसार जीवन की समझ ज्ञान के साथ अनुभव और व्यावहारिकता से आती है। पुस्तकीय ज्ञान को अनुभव में उतारने पर ही हम सही जीवन जी सकते हैं। हमारे बड़े बुजर्गों ने भले कोई किताबी ज्ञान नहीं प्राप्त किया था परन्तु अपने अनुभव और व्यवहार के द्वारा उन्होंने अपने जीवन की हर परीक्षा को सफलतापूर्वक पार किया। अत: पुस्तकीय ज्ञान और अनुभव के तालमेल द्वारा जीवन की समझ आती है।

ख) कलकत्ता वासियों के लिए 26 जनवरी 1931 का दिन क्यों महत्वपूर्ण था?

उत्तर : कलकत्ता वासियों के किए 26 जनवरी 1931 का दिन इसलिए महत्त्वपूर्ण था क्योंकि पिछले वर्ष गुलाम भारत ने पहली बार इसी दिन स्वतंत्रता दिवस मनाया था और इस वर्ष कलकत्तावासी इस दिन की वर्षगाँठ मनानेवाले थे।

ग) लेखक की माँ किस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थीं और क्यों?

उत्तर : लेखक की माँ शाम के समय पेड़ों से पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थी क्योंकि उनका मानना था कि ऐसा करने से पेड़ रोते हैं और हमें बददुआ देते हैं।

प्र. 8 ब 'मट्टी से मट्टी मिले, खो के सभी निशान, किसमें कितना कौन है कैसे हो पहचान' - इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए। [5]

उत्तर : इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक यह कहना चाहता है कि सभी प्राणियों का निर्माण मिट्टी से हुआ है। और अंत में इसी मिट्टी में

हमें मिल जाना है अर्थात् सभी मनुष्य समान हैं। उनमें भेदभाव करना उचित नहीं हैं। हमें मिलजुलकर आपसी सौहार्द से रहना चाहिए। पशु-पक्षियों को भी वही ईश्वर बनाता है जो इंसानों को बनाता है। जब सभी मनुष्यों में एक ही तत्त्व समाया हुआ है तो उनको अलग-अलग कर बताना उचित नहीं है। इसे पहचानने की कोशिश भी व्यर्थ है।

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=[5]

क) मीरा वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार हैं?

उत्तर : मीराबाई ने कृष्ण को प्रियतम के रूप में देखा है। वे बार-बार कृष्ण के दर्शन करना चाहती है। वे कृष्ण को पाने के लिए अनेकों कार्य करने को तैयार हैं। वह सेविका बन कर उनकी सेवा कर उनके साथ रहना चाहती हैं, उनके विहार करने के लिए बाग बगीचे लगाना चाहती है। वृंदावन की गलियों में उनकी लीलाओं का गुणगान करना चाहती हैं, ऊँचे-ऊँचे महलों में खिड़कियाँ बनवाना चाहती हैं ताकि आसानी से कृष्ण के दर्शन कर सकें। वे उनके दर्शन के लिए कुसुम्बी रंग की साड़ी पहनकर यमुना के तट पर आधी रात को प्रतीक्षा करने को तैयार हैं। वे अपने आराध्य को मिलने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार हैं।

ख) मनुष्य मात्र बंधु है से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस कथन का अर्थ है क संसार के सभी मनुष्य आपस में भाई-भाई हैं। इसलिए सभी को प्रेम भाव से रहना चाहिए, सहायता करनी चाहिए। कोई पराया नहीं है। सभी एक दूसरे के काम आएँ। प्रत्येक मनुष्य को निर्बल मनुष्य की पीड़ा दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

ग) कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर किससे और क्या प्रार्थना कर रहा है?

उत्तर : कवि करुणामय ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है कि उसे जीवन की विपदाओं से दूर चाहे ना रखे पर इतनी शक्ति दे कि इन मुश्किलों पर विजय पा सके। दुखों में भी ईश्वर को न भूले, उसका विश्वास अटल रहे।

प्र. 9 ब निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-उड़ा दिए थे मैंने। अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे। [5]

उत्तर : इन पंक्तियों का आशय है कि तोप का प्रयोग शक्तिशाली हथियार के रुप में किया गया था। अनगिनत शूरवीरों को मार गिराया गया था क्योंकि इसका प्रयोग अंग्रेज़ों द्वारा हुआ था। आखिरकार अब इस तोप को मुँह बन्द करना पड़ा। अब इससे कोई नहीं डरता। अब यह केवल खिलौना मात्र है। चिड़िया इस पर अपना घोंसला बना रही है, उसमें बच्चे खेलते हैं। अत्याचारी शक्ति चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, पर उसका अंत अवश्य होता है।

प्र. 10. दस अक्तूबर सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्त्व रखता है? [5]

उत्तर : दस अक्तूबर सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में एक विशेष महत्त्व रखता है क्योंकि उस दिन टोपी के मित्र इफ़्फ़न के पिता का तबादला हो गया था, उसका मित्र उसे छोड़कर मुरादाबाद चला गया था और इसी दिन उसने कसम खाई थी कि वह तबादला होने वाले मित्र के साथ दोस्ती नहीं करेगा। इसी दिन से टोपी अकेला भी हो गया था और बाद में वह किसी से दोस्ती भी नहीं कर पाया।

खण्ड घ

प्र. 11. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : [5]

'वृक्ष लगाओ देश बचाओ'

भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार पेड़ को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती है। यह हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। वृक्ष के बिना हम भी अधिक समय तक अपने अस्तित्व को जिंदा नहीं रख सकते। वन वातावरण में से कार्बन डाईऑक्साइड को कम करते हैं। वातावरण को शुद्ध बनाते हैं। बहुमूल्य ऑक्सीजन देते हैं। पेड़ हमें भोजन, घरों के निर्माण और फर्नीचर बनाने के लिए हमें लकड़ी प्रदान करते हैं। वे हमें ईंधन के लिए लकड़ी उपलब्ध कराते हैं। हमें विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियाँ देते हैं। बढ़ती आबादी, शहरीकरण के कारण हरियाली तेजी से कम हो रही है। जितनी तेज़ी से हम इनकी कटाई कर रहे हैं, उतनी तेज़ी से ही हम अपनी जड़ें भी काट रहे हैं। वृक्षों के कटाव के कारण आज भयंकर स्थिति उत्पन्न हो गई है। पेड़ों का क्रूर वध हमारे विनाश में सहायक होगा। रेगिस्तान का विस्तार होगा, नदियाँ सूख जाएगी, पानी की कमी होगी, भूमि बंजर हो जाएगी, प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। हमारा अस्तित्व उन पर निर्भर करता है इसलिए हमें पेड़ों की रक्षा करनी होगी। पर्यावरण की समस्याओं का एकमात्र समाधान पेड़ों की सुरक्षा है। सरकार ने जनमानस को जागृत करने के लिए 1950 में वन महोत्सव कार्यक्रम आरंभ किया।

पर्यावरण को बचाने के लिए यह हमारे जागने का वक्त है। सिर्फ जागने का ही नहीं, कुछ करने का भी। इसके लिए जरूरी है कि हम पेड़ लगाएँ। विनोबा भावे ने हर व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए यह संदेश दिया है। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि वन ही जीवन है, इस वन-जीवन से हम प्यार करें और वृक्षों को लगाकर इसकी रक्षा करे।

'किसान'

किसान हर देश का आधार स्तंभ होते हैं। त्याग और तपस्या का दूसरा नाम है - 'किसान। किसान पर ही देश की आर्थिक व्यवस्था टिकी होती है। विश्व का समस्त आनन्द, ऐश्वर्य और वैभव उनके कारण ही हम सब भोग पाते हैं। एक देश के प्रत्येक व्यक्ति का जीवन किसानों पर निर्भर करता है।

किसान सेवा, त्याग व परिश्रम की सजीव मूर्ति हैं। किसान सरलता, शारीरिक दुर्बलता, सादगी एवं गरीबी उनके सात्विक जीवन को प्रकट करती है। किसान स्वयं न खाकर दूसरों को खिलाते हैं। किसान स्वयं न पहनकर संसार की ज़रूरतों को पूरा करते हैं। परन्तु किसान खुद अपनी जमीन के मालिक नहीं हैं, इसके कारण उन्हें हर तरह के शोषण का सामना करना पड़ता है। साहूकारों के हाथों का खिलौना बनना किसानों की मजबूरी है। किसान यदि ट्रैक्टर, जनरेटर, खरीदने, पशु खरीदने या किसी अन्य वजहों से बैंकों से कर्ज लेना चाहे तो उसके लिए इतनी लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है कि किसानों को साहूकारों से अधिक सूद अदा करने की कीमत पर कर्ज लेना ज्यादा मुनासिब लगता है।

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह जरूरी है कि गाँवों में बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ। गाँवों में बिजली पहुँचे, सड़क बने, सिंचाई की सुविधाएँ बढ़ें तो किसानों को खेती करना आसान रहेगा। किसान समाज का सच्चा हितैषी है। यदि वह सुखी है, तो पूरा देश सुखी बन सकता है क्योंकि किसानों की खुशहाली उन्नति व समृद्धि में पूरे देश की समृद्ध, उन्नति, खुशहाली छिपी है।

'नशाखोरी और देश का युवा'

आज पूरी दुनिया नशे की बीमारी से आक्रांत है। हमारा देश भारत भी इससे अछूता नहीं है। नशे के बढ़ते रोग ने समाज और देश के सामने अनेक समस्याएँ खड़ी कर दी हैं। युवाओं को अपनी गिरफ्त में लेने वाली यह बुराई उस दीमक के समान है, जो एक बार लगने पर व्यक्ति को खोखला करके ही दम लेती है।

आज के इस बदलते दौर में पिछले कुछ वर्षों से नशीले पदार्थों का सेवन करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। विशेष कर स्कूलों, कॉलेजों तथा उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों में। आज तमाम छात्र हर फिक्र को धुएँ में उड़ाते हुए देखे जा सकते हैं। नशाखोरी की बीमारी नौजवानों को सही दिशा और लक्ष्य से भटका रही है। जो देश और समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। बच्चे जितने शिक्षित, संस्कारी व चरित्रवान होते हैं, समाज और राष्ट्र का भी उतना ही चारित्रिक विकास होता है। भारत में किसी अन्य राष्ट्र की तुलना में ज्यादा युवा धन है।

महात्मा गाँधी ने कहा था - 'अगर मेरे हाथ में एक दिन के लिए भी सत्ता आ जाए तो मैं सबसे पहला काम यह करूँगा कि शराब की तमाम दुकानों को बिना कोई मुआवजा दिए बंद करवा दूँगा'।

शराब और नशाखोरी एक गंभीर चिंता का विषय है। नशाखोरी की बीमारी नौजवानों को सही दिशा और लक्ष्य से भटका रही है। समाज के सामने देश के भावी कर्णधारों को इस दुर्व्यसन से बचाना एक बड़ी चुनौती है। सरकार को नशीले पदार्थों के निर्माण पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाये जाने के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। इसके अलावा नशाखोरी के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाने की भी जरूरत है। इस बुराई को रोकने और खत्म करने के ठोस उपाय के लिए सब की भागीदारी आवश्यक है।

प्र.12. छोटे भाई को परीक्षा में सफलता पाने पर बधाई पत्र लिखिए : [5]

फुले छात्रावास
दिल्ली पब्लिक स्कूल
दिल्ली
5 अप्रैल, 2014

प्रिय मोहित

स्नेह।

मैं यहाँ कुशलतापूर्वक हूँ। कल ही पिताजी का पत्र मिला। घर के सभी लोगों की कुशलता के साथ-साथ तुम्हारा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम भी ज्ञात हुआ।

यह तुम्हारे कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम भविष्य में भी इसी तरह सफलता अर्जित करोगे। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि सफलता सदैव तुम्हारे कदम चूमे। पत्र के साथ ही पुरस्कार स्वरूप कहानी की किताबें भेज रहा हूँ। माँ और पिताजी को प्रणाम,चीनी को प्यार कहना।

तुम्हारा बड़ा भाई

अमोल

प्र. 13. आपके विद्यालय में आयोजित योग शिविर के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए एक सूचना पत्र लिखें। [5]

सूचना

सह-शिक्षा समिति

राम निरंजन विद्यापीठ

11 सितंबर 20 - -

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि योग शिविर विद्यालय के सभागार में आयोजित है। इसमें भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के नाम आमंत्रित हैं।

दिनाँक - 15 सितंबर 20 - -

समय - प्रातः 11 बजे

स्थान - विद्यालय सभागार

शिविर में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 13 सितंबर 20 - - तक सह-शिक्षा समिति के सचिव को दें।

कुनाल स्वामी

सचिव

सह-शिक्षा समिति

प्र. 14. ऑफिस में क्लर्क की नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य संवाद लिखें। [5]

निखिल : नमस्ते !

राहुल : नमस्ते !

निखिल : आप भी साक्षात्कार हेतु आए हैं।

राहुल : जी हाँ।

निखिल : बहुत ज्यादा उम्मीदवार आए है ना?

राहुल : जी, यह हाल तो हर जगह है।

निखिल : हाँ, मैं अब तक चार साक्षात्कार के लिए जा चूका हूँ। एक पद के लिए बीस-तीस उम्मीदवार तो रहते ही है।

राहुल : इसीलिए बेरोजगारी बढ़ रही है।

निखिल : सरकार को और अधिक रोजगार योजना बनानी होगी।

राहुल : सरकार भी क्या करें ! उनकी योजनाएँ बढ़ती आबादी के सामने दम तोड़ देती है।

निखिल : सही कह रहे है।

राहुल : चलो मैं चलता हूँ। मेरा नंबर आ गया।

प्र. 15. मोबाइल के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : [5]

टी 20 मोबाइल

आज की तकनीक की ,

आज की युवा पीढ़ी की माँग ,

है टी 20 मोबाइल